University in News on 16 February 2025

AMAR UJALA MY CITY PAGE 7

एलएलबी सहित कई विषयों का परिणाम जारी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने विषम सेमेस्टर परीक्षा के तहत शनिवार को स्नातक और परास्नातक स्तर के कई विषयों की परीक्षा का परिणाम घोषित कर दिया। विद्यार्थी विवि की वेबसाइट lkouniv.ac.in पर परिणाम देख सकते हैं। परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी ने बताया कि एमए महिला अध्ययन, आचार्य प्रथम सेमेस्टर और बीयूएमएस तृतीय सेमेस्टर के नतीजे जारी हुए हैं। इसके अलावा एलएलबी पांच वर्षीय 2018 बैच के नौवें और एलएलबी पांच वर्षीय एनईपी के सातवें सेमेस्टर का भी परीक्षाफल घोषित हुआ है। (संवाद)

अर्थव्यवस्था में सुधार से ही मिलेगा विकसित भारत का लक्ष्य : संजय

लखनऊ। रियल स्टेट विनियामक प्राधिकरण (यूपी रेरा) के अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी ने कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए अर्थव्यवस्था में सुधार जरूरी है। वह लविवि में अर्थशास्त्र विभाग की ओर एपीसेन सभागार में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार के समापन सत्र में बोल रहे थे।

कॉरपोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स फार विज़न विकसित भारत@2047 विषय पर आयोजित कार्यक्रम में प्रति कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने कहा कि बुनियादी ढांचे का विकास ही अर्थव्यवस्था को गति देगा। डीन प्रो. अरविंद मोहन, डॉ. शची राय, प्रो. विनोद सिंह, प्रो. मनोज अग्रवाल, डॉ. हरनाम सिंह आदि ने भी विचार रखे। (संवाद)

HINDUSTAN PAGE 8

एलयू छात्रों के पास प्लेसमेंट का मौका

लखनऊ। एलयू के विद्यार्थियों के पास एचसीएल टेक, कोलैबरा और इंडियामार्ट में प्लेसमेंट का मौका है। केंद्रीय प्लेसमेंट सेल की ओर से रिक्रूटमेंट ड्राइव का आयोजन होगा। सेल के एडिशनल डायरेक्टर डॉ. हिमांशु ने बताया कि बीसीए, बीबीए बीकॉम, बीकॉम ऑनर्स, बीए,बीएससी के वो छात्र आवेदन कर सकते हैं जिनके 10वीं, 12वीं और स्नातक तक न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक हों।

i-NEXT PAGE 2

एलयू कैंपस में हेलमेट व सीट बेल्ट अनिवार्य

LUCKNOW: उत्तर प्रदेश सरकार की तरफ से रोड सेफ्टी को लेकर लगातार दिए जा रहे कड़े निर्देशों का सख्ती से पालन करने के लिए लखनऊ यूनिवर्सिटी कैंपस में स्टूडेंट्स, प्रोफेसर, अधिकारियों एवं स्टाफ के लिए हेलमेट और सीट बेल्ट अनिवार्य कर दिया गया है. विवि प्रशासन का कहना है कि हेलमेट और सीट बेल्ट को लेकर दिए गए निर्देशों का कड़ाई से पालन किया जाएगा और किसी भी तरह की रियायत नहीं बरती जाएगी.

लोगों को दी कानूनी जानकारी

LUCKNOW: एलयू की संस्था प्रो बोनो क्लब ने बख्शी का तालाब स्थित चंदा कोडर गांव के ग्रामीणों को घर-घर जाकर निशुल्क कानूनी जानकारी दी और सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताया. बोनो क्लब के मेंबर्स ने न्याय बंधु योजना के तहत ग्रामीणों को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए यह डोर टू डोर अभियान चलाया. प्रो बोनो क्लब के प्रभारी डॉ. आलोक कुमार ने बताया कि इस अभियान के तहत ग्रामीणो को सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जागरूक किया गया ताकि वो इन योजनाओं का लाभ उठा सकें. इस मौके पर विधि संकाय प्रमुख डॉ. बीडी सिंह, डॉ. सुधीर वर्मा सहित स्टूडेंट्स मौजूद रहे.

JAGRAN CITY PAGE III

'सीएसआर फंड का उपयोग नहीं कर पा रहीं कई कंपनियां'

जासं • लखनऊ: कई कार्पोरेट कंपनियां सीएसआर फंड का समुचित उपयोग नहीं कर पा रही हैं, जिससे वास्तविक जरूरतमंदों तक इसका लाभ नहीं पहुंच रहा। यदि सीएसआर का सही दिशा में उपयोग हो तो सतत विकास लक्ष्यों को आसानी से प्राप्त किया जा सकता है। लखनऊ विश्वविद्यालय के अर्थशास्त्र विभाग में 'कार्पोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स फार विजन विकसित भारत@2047' विषय पर आयोजित सेमिनार में यूपी रेरा के अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी ने इस पर चर्चा की।

समारोह को संबोधित करते यूपी रेरा के अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी • जागरण

प्रति-कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने कहा कि बुनियादी ढांचे का विकास अर्थव्यवस्था को गति देगा। जन भागीदारी, सार्वजनिक निजी सहयोग और सरकार के सामूहिक प्रयास से ही विकसित भारत का सपना साकार होगा। कला संकायाध्यक्ष प्रो. अरविंद मोहन ने कहा कि विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने के लिए सतत विकास लक्ष्यों को पूरा करना अनिवार्य है। संयोजिका डा. शची राय के अनुसार, सेमिनार के निष्कर्ष और सिफारिशें केंद्र और राज्य सरकारों के साथ संबंधित मंत्रालयों को भेजी जाएंगी। अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. विनोद सिंह ने कहा कि समावेशी विकास ही विकसित भारत की नींव है। सेमिनार सचिव डा. हरनाम सिंह ने कहा कि विकसित भारत सिर्फ एक नारा नहीं, बल्कि संकल्प है, जिसे पूरा करने के लिए सभी को अपनी पूरी क्षमता और प्रतिभा से योगदान देना होगा। वहीं, सेमिनार के तकनीकी सत्र की अध्यक्षता करते हुए प्रो. मनोज कुमार अग्रवाल ने कहा कि भारतीय आर्थिक विकास का माडल समाज-आधारित है, न कि राज्य-आधारित। नव नालंदा महाविहार, बिहार के प्रो. विजय कुमार कर्ण ने कहा कि भारत अब महाभारत नहीं, बल्कि 'महा' भारत बनने की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने पंच प्रण (स्वदेशी अपनाना, नागरिक कर्तव्यों का पालन, पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक समरसता आदि) को विकसित भारत की कुंजी बताया। इग्नू के प्रो. पवनेश कुमार ने कहा कि विकसित भारत केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसे हर नागरिक का ध्येय बनना चाहिए। सेमिनार में पूर्व प्रति-कुलपति प्रो. अरविंद अवस्थी, चीफ प्रोवोस्ट प्रो. अनूप कुमार सिंह, प्रो. ध्रुवसेन सिंह, प्रो. आरपी सिंह, प्रो. मनोज शर्मा, प्रो. ओंकार नाथ उपाध्याय, डा. अनुपमा श्रीवास्तव, प्रो. अशोक कुमार कैथल, इंडियन इकोनामिक एसोसिएशन की जोनल सेक्रेटरी प्रो. भारती पांडेय सहित अन्य का सहयोग रहा।

विषम सेमेस्टर परीक्षाओं का परिणाम घोषित

जागरण संवाददाता • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय और संबद्ध कालेजों का विषम सेमेस्टर का परीक्षा परिणाम घोषित हो गया है। इन कोर्स में एम.ए प्रथम, आचार्या प्रथम, एलएलबी (पांच वर्षीय) का नौवां, बीयूएमएस तीसरा और एलएलबी (पांच वर्षीय) एनईपी का सातवां सेमेस्टर शामिल है। विद्यार्थी लखनऊ विश्वविद्यालय की आधिकारिक वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर परीक्षा के परिणाम देख सकते हैं।

लवि के छात्रों को प्लेसमेंट का मौका

जासं • लखनऊ : लवि के केंद्रीय प्लेसमेंट सेल द्वारा 2025 बैच के छात्रों के लिए एचसीएल टेक, कोलैबरा और इंडियामार्ट कंपनी में प्लेसमेंट के लिए रिक्रूटमेंट ड्राइव का आयोजन किया जाएगा। केंद्रीय प्लेसमेंट सेल के एडिशनल डायरेक्टर डा. हिमांशु पाण्डेय ने बताया कि एचसीएल टेक में बीसीए, बीबीए, बी.कॉम, बी.कॉम (आनर्स), बी.ए और बी.एससी के वो छात्र आवेदन कर सकते हैं, जिनके 10वीं, 12वीं और स्नातक तक न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक हों और कोई बैकलाग या वर्ष का अंतराल न हो। एचसीएल टेक में आवेदन के लिए https://freshers.hcltech.com और https://forms.gle/CfVpkNzAQ6xuv5sZ8 पर, कोलैबरा कंपनी के लिए स्नातक और परास्नातक के छात्र लिंक https://forms.gle/5dD5FwG5REzhk3wd9 पर और इंडियामार्ट कंपनी में एमबीए 2025 में पास होने वाले छात्र लिंक पर जाकर https://forms.gle/FDVMeA8NywL3waBr7 पंजीकरण कर सकते हैं।

ग्रामीणों के अधिकारों के प्रति जागरूकता अभियान शुरू : लवि की संस्था प्रो. बोनो क्लब ने बख्शी का तालाब स्थित चंदा कोडर गांव के निवासियों के लिए निशुल्क विधिक सहायता, विधिक जानकारी और सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के प्रचार-प्रसार विधिक के उद्देश्य से एक व्यापक डोर-टू-डोर अभियान चलाया। यह अभियान न्याय बंधु योजना के तहत ग्रामीणों को निशुल्क विधिक सहायता व अधिकारों के प्रति जागरूक करने के लिए किया गया। डा. अलोक कुमार यादव ने यह जानकारी दी।

आइएमएस (लवि) में प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन

आइएमएस में छात्रों ने प्लेसमेंट ड्राइव में भाग लिया • जागरण

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट साइंसेज (आइएमएस) में इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (आइआइए) के सहयोग से कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय और ओएसडी आइएमएस प्रो. विनीता काचर के मार्गदर्शन में प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया गया। शनिवार को एंटल इंटरनेशनल नेटवर्क, स्पीडस्कोडा, वी ई न्यूज, एके इंफो, शजिर ओरिएंटल कंसल्टेंट्स, उमंगोट सोलर, बीटीएक्स इंडिया एडवरटाइजिंग सहित 11 कंपनियों ने भाग लिया। भर्ती कर्ताओं द्वारा अंतिम चयन की घोषणा जल्द की जाएगी। छात्रों ने प्लेसमेंट ड्राइव में कंपनियों की साक्षात्कार प्रक्रिया में भाग लिया। कार्यक्रम का संचालन प्लेसमेंट सेल के सदस्य डा. अमिताभ, सौरव, डा. उरूज, डा. नेहा, डा. प्रियंका व डा. विवेकानन्द ने किया।

LOKSATYA PAGE 2

अर्थशास्त्र विभाग के दो दिवसीय सेमिनार का हुआ भव्य समापन

देश विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित होने के मार्ग पर अग्रसर है: संजय भूसरेड्डी

लखनऊ, लोकसत्य। देश विकसित राष्ट्र के रूप में स्थापित होने के मार्ग पर अग्रसर है हमारा ध्यान एक विकसित, समावेशी और टिकाऊ अर्थव्यवस्था बनने पर केंद्रित होना चाहिए। यह एक महत्वाकांक्षी लक्ष्य है जिसके लिए एक मजबूत बहुआयामी दृष्टिकोण की आवश्यकता है।

अर्थशास्त्र विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा एपी सेन हॉल में आयोजित नेशनल सेमिनार "कॉर्पोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी एंड सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल्स फार विज़न विकसित भारत@2047 " के समापन समारोह में मुख्य अतिथि यूपी रेरा के अध्यक्ष संजय भूसरेड्डी ने कही। उन्होंने आगे कहा कि कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व से ही संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

सीएसआर के नाम पर कारपोरेट खुद के लोंगों का लाभ कर रहें है और जिन सेक्टर्स को असल में सीएसआर के लाभ कि जरुरत है उनको समुचित लाभ नहीं मिला पा रहा है। कोविड काल में कार्पोरेट्स ने अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के फंड का समुचित उपयोग करके ही सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है। समापन सत्र की अध्यक्षता करते हए लखनऊ विश्वविद्यालय कि प्रति कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने कहा कि बुनियादी ढाँचे का समुचित विकास ही अर्थव्यवस्था को गति प्रदान करेगा। विशिष्ट अतिथि कला संकायाध्यक्ष प्रो. अरविन्द मोहन ने कहा कि विकसित भारत की संकल्पना सत्तात विकास लक्ष्यों को पूर्ण करके ही साकार की जा सकती है और इसके लिए कारपोरेट जगत को आगे आना होगा। सेमिनार संयोजिका डॉ शची राय ने सेमिनार की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए बताया कि सेमिनार में कुल 215 शोधपत्रों का प्रस्तुतीकरण हाइब्रिड मोड में किया गया। सेमिनार के निष्कर्ष और सिफारिशें केंद्र सरकार, राज्य सरकार और सम्बन्धित मंत्रालयों को भेजा जायेगा। अर्थशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो विनोद सिंह ने समापन वक्तव्य में कहा कि समावेशी विकास विकसित भारत का आधार है। विभाग ऐसे आयोजन करता ही रहता है जिससे देश समाज और जनसामान्य लाभान्वित हो।

THE PIONEER PAGE 3

BSIP, LU study reveals climate and vegetation changes in Kukrail Reserve Forest

SHARMILA KRISHNA ■
LUCKNOW

A new study conducted by the Birbal Sahni Institute of Palaeosciences (BSIP) and Lucknow University, analysing pollen extracted from the soil of Kukrail Reserve Forest, offers crucial insights into changes in climate and vegetation.

Dr Swati Tripathi, a scientist at BSIP, explained that 'modern pollen' refers to recently collected pollen samples taken directly from the current vegetation of a specific area, which serves as a reference point for understanding past vegetation changes.

By comparing these modern samples with pollen found in fossil records (paleo-pollen), scientists can accurately reconstruct past environments, she clarified. She further elaborated that climate change is a dynamic process that results in periodic shifts in vegetation within a particular region.

"Reserve forests, however, are highly protected areas dedicated to the conservation of biodiversity. Kukrail Reserve Forest, located in Lucknow city on the Indo-Gangetic foreland basin, is critical for tropical species and has served as a reservoir for endangered medicinal plants," Dr Tripathi said. Researchers from BSIP and LU, including Prof Ajay Kumar Arya and research scholar Dr Naushin Aneez, have developed a modern analogue dataset using pollen samples from various vegetation settings (forest, open land, and crop land) within Kukrail Reserve Forest.

This dataset will assist in interpreting the past climate and vegetation changes in the region. Dr Tripathi noted that developing a modern pollen analogue is essential for understanding both past and future climatic scenarios, especially in this tropical region, and will help formulate sustainable future projections for the area around the reserve forest.

She further stated that this research adopts a holistic approach to developing an accurate reference tool for studying past herbivory and ecological patterns in the tropical region of the Ganga Plain. The study has been accepted for publication in the Journal of the Palaeontological Society of India, a Sage Publication.

It will aid in identifying marker pollen taxa recovered from surface soil samples, providing vital information about the different vegetation and land-use types in Kukrail Reserve Forest. Dr Arya pointed out that the Ganga Plain, one of the world's largest alluvial tracts, is home to significant ecological diversity. "Lucknow city, located on the north-western shore of the Gomati River, is divided into the Trans-Gomti and Cis-Gomti regions. Kukrail Reserve Forest lies in Khurram Nagar/Indiranagar, adjacent to Shivpuri Colony, about 9 km from the city centre. The forest was developed as a crocodilian rehabilitation centre in 1978 with funding from the Uttar Pradesh Forest Department," he explained.

He added that the forest is a sanctuary for various species of deer, particularly sambar and black-brown spotted deer, and is home to numerous avian species. The reserve is also a popular tourist attraction due to its natural beauty and the crocodiles residing there. The surrounding area is rich in potential lakes and sedimentary deposits, offering ample opportunities for Quaternary palaeoclimatic studies.